



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

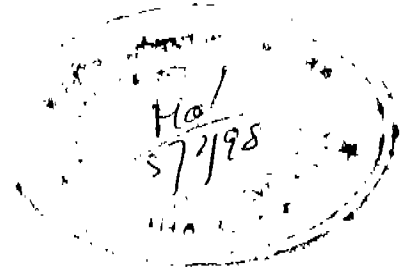
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 685]

नई दिल्ली, मंगलवार दिसम्बर 9, 1997/अग्रहायण 18, 1919

No. 685]

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 9, 1997/AGRAHAYANA 18, 1919

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 9 दिसम्बर, 1997

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) संशोधन विनियम, 1997

का.आ. 837(अ).—भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) विनियम, 1992 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है।

1. (i) इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) संशोधन विनियम, 1997 कहा जाएगा।
(ii) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेन्ट बैंककार) विनियम, 1992 (इसमें इसके पश्चात् कथित विनियम के रूप में निर्दिष्ट) में,—
(क) विनियम 3 में, उप-विनियम 2 के पश्चात् एक नया उप-विनियम (2क) निम्नानुसार परिचरित किया जाएगा, अर्थात् :—
“2क—इस विनियम में किसी बात के होते हुए भी, 9 दिसम्बर, 1997 से,
(i) उप-विनियम (2) के अधीन आवेदन केवल उसमें खण्ड (क) में उल्लिखित क्रियाकलाप करने के लिए किया जा सकता है, और
(ii) आवेदक हामीदार के रूप में केवल तभी क्रियाकलाप कर सकता है यदि वह भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (हामीदार) विनियम, 1993 के उपबंधों के अधीन पृथक् रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभिप्राप्त कर लेता है, और
(iii) आवेदक संविभाग प्रबन्धक के रूप में केवल तभी क्रियाकलाप कर सकता है यदि वह भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (संविभाग प्रबन्धक) विनियम, 1993 के उपबंधों के अधीन पृथक् रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभिप्राप्त कर लेता है।”
(ख) (i) विनियम 6 में खण्ड (क), (कक) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और पुनः संख्यांकित खण्ड (कक) के पहले नया खण्ड (क) निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्;
“(क.) आवेदक, समय-समय पर यथा संशोधित भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45-I के खण्ड (च) के अधीन यथा परिभाषित एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी से भिन्न एक निगमित निकाय होगा”;
(ii) विनियम 6 में, खण्ड (ज) के पहले और खण्ड (छ) के पश्चात् एक नया खण्ड (छछ) अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्;
“(छछ) आवेदक एक योग्य और उपयुक्त व्यक्ति है;
(ग) विनियम 8 में;

- (i) उप-विनियम (1) में, शब्दों "और आवेदक को उस प्रवर्ग का वर्णन करते हुए सूचना देगा जिसके लिए बोर्ड ने प्रमाणपत्र दिया है" का लोप किया जाएगा;
- (ii) उप-विनियमों (2) और (3) का लोप किया जाएगा;
- (iii) उप-विनियम (4) में, शब्दों "प्रमाणपत्र दिए जाने पर आवेदक" के पश्चात् अब निम्नानुसार पढ़ा जाएगा—
"अनुसूची II के अनुसार फीस का संदाय करने का दायी होगा;"
- (iv) उप-विनियम (4) के परंतुक का लोप किया जाएगा ।
- (घ) विनियम 9 में, निम्नलिखित उपांतर किए जाएँगे, अर्थात् :—
- (i) उप-विनियम (3) में, शब्दों "और आवेदक को" के पश्चात् अब निम्नानुसार पढ़ा जाएगा—
"सूचना भेजेगा ।"
- (ii) उप-विनियम (4) और (5) का लोप किया जाएगा;
- (iii) उप-विनियम (6) में शब्दों "प्रमाणपत्र दिए जाने पर आवेदक" के पश्चात् अब निम्नानुसार पढ़ा जाएगा—
"अनुसूची II के अनुसार फीस का संदाय करने का दायी होगा";
- (iv) उप-विनियम (6) के परंतुक का लोप किया जाएगा ।
- (ङ) विनियम 13 के पश्चात्, तथा विनियम 13क निम्नानुसार परिवर्धित किया जाएगा, अर्थात् :
"मर्चेट बैंककार का प्रतिभूति बाजार के उससे भिन्न किसी कारबार से सहयुक्त न होना"—
- 13क—कोई मर्चेट बैंककार बैंक या एक वित्तीय संस्था से भिन्न, जिसे इन विनियमों के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया हो प्रतिभूति बाजार में उस से भिन्न कोई कारबार नहीं चलाएगा ।

ऊपर किसी बात के होते हुए भी, एक मर्चेट बैंककार जिसने भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मर्चेट बैंककार) संशोधन विनियम, 1997 की अधिसूचना की तारीख से पूर्व, प्रतिभूति बाजार के उस से भिन्न कारोबार की बाबत संविदा की हो, यदि वह ऐसी वांछा करता है, ऐसी संविदा के अधीन अपनी बाध्यताओं का निर्वहन कर सकेगा ।

स्पष्टीकरण—इस विनियम के प्रयोजनों के लिए :—

- (i) एक "बैंक" का अर्थ बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 5 के अधीन यथा परिभाषित एक बैंककारी कंपनी और बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970 (1970 का 5) तथा बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1980 (1980 का 40), भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 (1955 का 23) तथा भारतीय स्टेट बैंक (समभुवंगी बैंक) अधिनियम, 1959 (1959 का 38) के अधीन गठित तत्समान नया बैंक होगा ।
- (ii) एक "लोक वित्तीय संस्था" का वही अर्थ होगा जैसा कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4क के अधीन निबंधन में मियत है और जिसके अन्तर्गत यथास्थिति केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकारों द्वारा स्थापित औद्योगिक निगम और वित्तीय निगम आएँगे ।"
- (च) अनुसूची I में अंतर्विष्ट प्ररूप क में, शब्दों "आवेदक का नाम" के पश्चात् शब्दों "प्रवर्ग जिसके लिए आवेदन किया गया है I/II/III/IV" को अब निम्नानुसार पढ़ा जाएगा :
"प्रवर्ग I"
- (छ) अनुसूची I में अंतर्विष्ट प्ररूप ख में,
- (i) पैरा 1 में, शब्द "प्रवर्ग I" के पश्चात् और शब्दों "में मर्चेट बैंककार के रूप में" के पहले दिए हुए अंकों "*/II*/III*/IV*" का लोप किया जाएगा;
- (ii) पैरा 1 में शब्दों "2. विनिधान सलाहकार" के पश्चात् शब्दों "3. निर्गमनों का निम्नांकन" और शब्दों "4. संविभाग प्रबंध सेवार्ह" का लोप किया जाएगा;

[फा. सं. भाप्रविबो/विधि/2228/12/97]

देवेन्द्र राज मेहता, अध्यक्ष

पाद टिप्पण :

1. मूल विनियम भाप्रविबो (मर्चेट बैंककार) विनियम, 1992 फा. सं. 20/15/एस ई/92, 22 दिसम्बर, 1992 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था ।
2. यह तत्पश्चात् 7 सितम्बर, 1995 को भाप्रविबो (मर्चेट बैंककार) संशोधन विनियम, 1995, फा.सं. भाप्रविबो/विधि-1/9/95, द्वारा और 28 नवम्बर, 1995 को भाप्रविबो (फीस का संदाय) संशोधन विनियम, 1995, फा. आ. 939(अ), द्वारा संशोधित हुआ था और 6 जून, 1996 को भाप्रविबो (मर्चेट बैंककार) संशोधन विनियम, 1996, फा.सं. भाप्रविबो/विधि-III/5/96, द्वारा और संशोधित हुआ था ।

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA**NOTIFICATION**

Mumbai, the 9th December, 1997

Securities and Exchange Board of India**(Merchant Bankers) Amendment Regulations, 1997**

S.O. 837(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Securities and Exchange Board of India hereby makes the following regulations further to amend the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992.

1. (i) These regulations shall be called the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Amendment Regulations, 1997.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992 (hereinafter referred to as the said regulations),—

(a) in regulation 3, after sub-regulation (2) a new sub-regulation (2A) shall be added as follows, namely :

“2A-Notwithstanding anything contained in this regulation, with effect from 9th December, 1997,

(i) an application under sub-regulation (2) can be made only for carrying on the activities mentioned in clause (a) therein, and

(ii) an applicant can carry on the activity as underwriter only if he obtains separate certificate of registration under the provisions of Securities and Exchange Board of India (Underwriters) Regulations, 1993, and

(iii) an applicant can carry on the activity as portfolio manager only if he obtains separate certificate of registration under the provisions of Securities and Exchange Board of India (Portfolio manager) Regulations, 1993.

b. (i) in regulation 6 clause (a) shall be renumbered as (aa) and new clause (a) before renumbered clause (aa) shall be inserted as follows, namely:

“(a) the applicant shall be a body corporate other than a non-banking financial company as defined under clause (f) of section 45-I of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) as amended from time to time”;

(ii) in regulation 6, a new clause (gg) before clause (h) and after clause (g) shall be inserted, namely ;

“(gg) the applicant is a fit and proper person;”

c. in regulation 8;

(i) in sub-regulation (1), the words “and send an intimation to the applicant mentioning the category for which the Board has granted certificate” shall be omitted;

(ii) sub-regulations (2) and (3) shall be omitted;

(iii) in sub-regulation (4), the words “for the category for which the registration is granted” appearing after the words “pay the fees” and before the words “in accordance with Schedule II” shall be omitted;

(iv) the proviso to sub-regulation (4) shall be omitted.

d. in regulation 9, the following modifications shall be made, namely :

(i) in sub-regulation (3), the words “mentioning the category for which the Board has granted certificate” appearing after the word “applicant” shall be omitted;

(ii) sub-regulations (4) and (5) shall be omitted;

(iii) in sub-regulation (6) the words “for the category for which the registration is granted” appearing after the words “pay the fees” and before the words “in accordance with Schedule II” shall be omitted;

(iv) the proviso to sub-regulation (6) shall be omitted.

- e. After regulation 13, new regulation 13A shall be added as follows, namely :

"Merchant banker not to associate with any business other than that of the securities market—

13A—No merchant banker, other than a bank or a financial institution, who has been granted a certificate of registration under these regulations shall carry on any business other than that in the securities market.

Notwithstanding anything contained above, a merchant banker who prior to the date of notification of the securities and exchange board of India (Merchant Bankers) Amendment Regulations, 1997, has entered into a contract in respect of a business other than that of the securities market, may, if he so desires, discharge his obligations under such contract.

Explanation—for the purposes of this regulation :

- (i) A "bank" shall mean a banking company as defined under section 5 of the Banking Regulations Act, 1949 (10 of 1949) and the corresponding new bank set up under the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertaking) Act, 1970 (5 of 1970) and Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertaking) Act, 1980 (40 of 1980), State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955) and State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959).
 - (ii) A "public financial institution" shall have the same meaning as assigned to the term under Section 4A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and shall include Industrial Development Corporations and Financial Corporations established by the Central Government or State Governments as the case may be."
- f. in Form A contained in Schedule I, after the words "Name of Applicant" the words "Applied for : II/III/IV" shall be omitted.
- g. in Form B contained in Schedule I,
- (i) in paragraph 1, the figures "II/III/V" appearing after the word "Category I" and before the words "subject to the conditions" shall be omitted;
 - (ii) in paragraph 1 after the words "2. Investment Adviser" the words "3. Underwriting of Issue" and the words "4. Portfolio Management Service" shall be omitted.;

[F. No. SEBI/LE/2228/12/97]

D.R. MEHTA, Chairman

FOOTE NOTE.—1. The principal regulation SEBI (Merchant Bankers) Regulations, 1992 was published in official Gazette of India on 22nd December, 1992 vide F. No. 20/15/SE/92.

2. It was subsequently amended on 7th September, 1995 by SEBI (Merchant Bankers) Amendment Regulations, 1995 vide F. No. SEBI/LE-1/9/95 and on November 28, 1995 by SEBI (Payment of Fees) Amendment Regulations, 1995 vide S. O. 939 (E) and was further amended on June 6, 1996 by SEBI (Merchant Bankers) Amendment Regulations, 1996 vide F. No. SEBI/LE-III/5/96.